# AI का कलात्मक दृष्टिकोण

डॉ. ममता चौधरी, व्याख्याता, पीएम. श्री रा.उ.मा.वि. विराटनगर, कोटपूतली, बहरोड़ (राज.)

आज दुनिया में रचनात्मकता और नवाचार हर दिन बदलते मौसम की तरह हो गया है। वर्तमान समय मानव की कल्पना शक्ति का जश्न मनाने का है प्रौद्योगिकी की प्रगति ने अविश्वसनीय परिणाम उपलब्ध करवाये है।

AI (कृत्रिम बुद्धिमता) इसका जोरदार उदाहरण है आज के डिजिटल युग में AI एक नवाचार उपकरण के रूप में उभर कर सामने आया है। जिसने प्रायः सभी क्षेत्रों को प्रभावित किया है फिर भला कला का क्षेत्र कैसे वंचित रहता जहाँ एक ओर नवाचार व रचनात्मकता एक साथ लायेगा वही कला में मानवीय भावनाऐं क्षीण होती दिखाई देगी।

डिजिटल युग में आज AI कला बनाने के लिए सॉफ्टवेयर और उपकरण भी आने लगे है जिनका उपयोग डिजिटल इमेजरी बनाने में किया जा रहा है। ऐसे उपकरणों में मशीन लर्निंग, जनरेटिव आर्ट, डैल–ई, गूगलडीप ड्रीम, डीप आर्ट, IO प्रमुख रूप से काम में लिये जा रहे है। इन्हीं डिजिटल उपकरणों का उपयोग विश्व के प्रसिद्ध कलाकारों ब्रैडन रीचमेन, राबर्ट गोंसाल्वेस, क्लो वाइज जेसन एलन आदि प्रमुख रूप से कलाकृतियों की डिजिटल इमेज बनाने में कर रहे है।

इस प्रकार से AI का उपयोग कलाओं में नकारात्मक व सकारात्मक दोनों पहलुओं में समाज के सामने होगा। जहाँ AI समाज के विभिन्न पहलुओं का चित्रण करने में असफल होगा वही चित्रित डिजिटल कलाकृतियों को वांछित ऑनलाइन प्लेटफार्म मिलेगा जिससे कला की पहुँच बढ़ सकती है।